सड़क दुर्घटना में वृद्ध हुआ घायल

गोंदिया-ग्रामीण थाने के तहत कारंजा टी पॉइंट पर कारंजा निवासी दिवाकर उपराडे (71) को मोटरसाइकिल ने जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में दिवाकर गंभीर रुप से घायल हो गया. इस प्रकरण में हेमराज उपराडे की शिकायत पर पुलिस ने इलाहबाद निवासी आरोपी फिरोज अली (22) के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 17 — गोंदिया : गुरुवार, दि. 5 दिसंबर से 11 दिसंबर 2024 — ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

शिवशाही बस भीषण दुर्घटना 11 की मौत 29 जख्मी

गोंदिया कोहमारा मार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा

बुलंद गोंदिया। गोंदिया कोहमारा मार्ग पर डव्वा से खजरी के मध्य शुक्रवार 29 नवंबर की दोपहर भंडारा से गोंदिया आ रही शिवशाही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण हादसे में 11 प्रवासियों की मौत हो गई वह 29 गंभीर रूप से जख्मी हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भंडारा डिपो से शिवशाही बस क्रमांक एम एच 09 ईएम 1273 साकोली कोह मारा मार्ग होते हुए गोंदिया की ओर आ रही थी इसी दौरान खजरी से डव्वा के मध्य अचानक ड्राइवर का संतुलन बिगड़ जाने से बस पलट गई जिसमें करीब 40 से अधिक यात्री सवार थे। इस भीषण दुर्घटना में 8 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वह तीन यात्रियों की गोंदिया के शासकीय चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हुई तथा 29 यात्री गंभीर रूप से जख्मी हुए जिन्हें उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय वह सड़क अर्जुनी वह डव्वा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया गया। मृतक यात्रियों में एक गोंदिया पुलिस विभाग में कार्यरत एक महिला पुलिसकर्मी का भी समावेश है । मृतकों में स्मिता विक्की सूर्यवंशी उम्र 32 वर्ष अर्जुनी मोरगांव जिला गोंदिया, मंगला राजेश लांजेवर पिंपरी जिला भंडारा ,राजेश देवराम लांजेवार पिंपरी जिला भंडारा ,कल्पना रवि शंकर वानखेड़े उम्र 65 वर्ष वरोरा जिला चंद्रपुर ,रामचंद्र कनौजे 65 वर्ष चांदोरी तहसील साकोली जिला

भंडारा, अंजीरा रामचंद्र कनौजे उम्र 65 वर्ष चांदोरी तहसील साकोली जिला भंडारा, आरिफा अजहर सैयद घोटी गोरेगांव गोंदिया ,नयना विशाल मिटकर बैसा नागपुर, अजहर अली सैयद घोटी गोरेगांव तथा 2अज्ञात व्यक्तियों का समावेश है ।

ज़ख्मियों में ध्रुविका स्वप्निल हेमने 6 वर्ष नागपुर, टीना यशवंत दिघोरी 17 वर्ष सोमलपुर, नैतिक प्रकाश चौधरी 8 वर्ष कामठी , श्री कृष्णा रामदास ऊके 24 वर्ष कोसी भंडारा, शारदा अशोक चौहान 63 वर्ष नागपुर , पल्लवी प्रकाश चौधरी 33 वर्ष कामठी, लक्ष्मी धनराज भाजीपाले 33 वर्ष गोंदिया, स्वप्निल सुभाष हेमने नागपुर, विद्या प्रमोद गडकरी 63 वर्ष नागपुर, भार्गव

राजेश कडू 15 वर्ष नागपुर, रवि शंकर रामचंद्र वानखेड़े 65 वर्ष वरोरा, संजय नेतराम दिघोरे 41 वर्ष चिंगी, रामकला संजय हुकरे 46 वर्ष इंजोरी ,शंकर देवाजी हुकरे 55 वर्ष इंजोरी ,नितिन पांडुरंग मते 42 वर्ष भंडारा, देवेंद्र मधुजी मेश्राम 25 वर्ष पालांदुर , राहुल काबडे 31 वर्ष वडगांव , खफिजा सैयद 61 वर्ष घोटी ,वैभव गडकरी 19 वर्ष ,अलमत सैयद 15 वर्ष गोरेगांव, अनंतराम धमगाये 70 वर्ष भंडारा ,प्रमिला भिमटे मुंडीपार गोरेगांव ,रमेश गोविंद आगरे 40 वर्ष मानेगांव, सुजीत धनंजय रामटेक 19 वर्ष साकोली, दुर्गाबाई सोमवंशी 70 वर्ष सेलू वर्धा, मुकेश गणपत नागदेवे 36 वर्ष निपरटोला साकोली, रोशनी रमेश आगरे मालेगांव लाखनी, संताप कालिदास गजभिए आतेगांव साकोली, तथा योगेश्वरी केंद्रे का समावेश है ।

भीषण हादसे की खबर मिलते ही

शहर में मचा हड़कंप

राज्य परिवहन की शिवशाही बस की भीषण दुर्घटना की खबर शहर में फैलते हीहड़कंप मच गया तथा बड़ी संख्या में नागरिक व मृतकों वह ज़ख्मियों के रिश्तेदार शासकीय जिला चिकित्सालय में जमा हो गए। शासकीय स्वास्थ्य यंत्रणा तत्काल जुटी हत कार्य में गोंदिया जिले के इतिहास में यह पहली भीषण दुर्घटना थी जिसमें इतने बड़े पैमाने पर यात्रियों की मौत हुई जिससे जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया तथा घटना की जानकारी मिलती ही जिला स्वास्थ्य यंत्रणा शासकीय मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय के सभी चिकित्सक व वरिष्ठ अधिकारी मुस्तैद होकर ज़ख्मियों के उपचार में जुड़ गए। सांसद प्रफुल्ल पटेल ने जिला प्रशासन को दिए निर्देश भीषण दुर्घटना की जानकारी पूर्व विधायक राजेंद्र जैन द्वारा सांसद प्रफुल्ल पटेल को दिए जाने पर संसद प्रफुल्ल पटेल द्वारा तत्काल जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक मेडिकल कॉलेज के डीन न को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जिस पर प्रशासन द्वारा हरकत में आकर राहत व बचाव कार्य में जुट गया।

विधायक विनोद अग्रवाल पहुंचे शासकीय चिकित्सालय

गोंदिया जिले की इस भीषण दर्दनाक हादसे की जानकारी मिलते ही गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल भी शासकीय चिकित्सालय पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना व घायलों को उपचार में सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व गोपाल दास अग्रवाल भी पहुंचे इस हादसे की जानकारी प्राप्त होती ही पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व गोपाल दास अग्रवाल भी चिकित्सालय पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश, इंटरनेशनल, कॉन्वेंट स्कूल में उत्साहपूर्वक मनाया गया संविधान दिवस

बुलंद गोंदिया-श्रीमती उमाबाई बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था द्वारा संचालित प्रोग्रेसिव्ह ग्रुप ऑफ स्कूल्स की सभी शाखाओ प्रोग्रेसिव्ह इंग्लिश स्कूल, प्रोग्रेसिव्ह इंटरनेशनल स्कूल, प्रोग्रेसिव्ह कॉन्वेंट, में 75 वा संविधान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ संविधान के जनक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर मल्यार्पण के साथ मुख्य अतिथी मा. श्री अरविंद टी. वानखेडे (प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश गोंदिया व अध्यक्ष जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, गोंदिया), श्री.एन. के. वालके (दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर गोंदिया व सचिव जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, गोंदिया), श्री. एम. जै. मोहोड (सहदिवाणी न्यायधीश वरिष्ठ स्तर गोंदिया), ॲड. एकता गणवीर (पॅनल लॉयर जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण गोंदिया), द्वारा संस्थाध्यक्ष डॉ. पंकज कटकरवार, संस्था उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का पी. कटकवार, संस्थासचिव डॉ. निरज कटकवार, श्रीमती लीना एन. कटकवार की उपस्थिती मे किया गया। तपश्चात् शालेय विद्यार्थीयो के द्वारा संविधान की महत्वता पर आधारित नाट्य, विचार मंच व गीत-गायन की प्रस्तुती दी गई व हॅन्डराईडिंग, चित्रकला व निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष मा. श्री. अरविंद टी. वानखेडेजी ने विद्याथीओं की संबोधित करते हुए संविधान के गठन में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी की भूमिका व संविधान के महत्त्वपूर्ण तथ्यो के विषय मे बताते हुए सभी कों संविधान के पालन करने हेतु वचनबध्द किया।प्राचार्य ओ.टी. राहागडांले, कुमुदिनी तावाडे, वाय. आशा राव, मिनाक्षी महापात्रा, कुलदीप भौतिक, वीना कावळे, कृष्णा चौहान, सुशिला भोयर, विकास पटले, दुर्गा रामटेककर, तुमेश पारधी, भानुलता लावेटी, कंचन चौधरी, राहुल रामटेके, दिव्याशु जायस्वाल व सभी शिक्षकों ने विद्यार्थीयो को संविधान दिवस की शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक श्रीमती चेतना सुलाखे तथा श्री अजय चौहान ने द्वारा किया गया।

पिंडकेपार में ढाई लाख की चोरी

भंडारा-घर में कोई नहीं होने का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने 2 लाख 32 हजार 500 रुपये चोरी कर लिया. यह घटना पिंडकेपार पुनर्वास में घटी. फरियादी दिलीप नत्थु सेलोकर (59) खेत पर गए थे. पत्नी नागपुर और बेटी भी अस्पताल गई थी. इसी मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने सामने का दरवाजा तोड़कर लोहे की अलमारी में रखे 7 तोला सोने के आभूषण जिसकी कीमत 2 लाख 32 हजार 500 रुपये है चुरा लिए. पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है.

वैद्यकीय अधिकारी की लापरवाही प्रसूति के दौरान महिला की मौत

अर्जुनी मोरगांव के कोरंबीटोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता अर्जुनी मोरगांव)- ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत वैद्यकीय अधिकारीयो -कर्मचारियों की लापरवाही के मामले आए दिन सामने आते हैं। इसी के अंतर्गत अर्जुनी मोरगांव तहसील कोरंभी टोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वैद्यकीयअधिकारी व अन्य कर्मचारियों की लापरवाही के चलते कोरंभीटोला निवासी गर्भवती महिला वसंता धनराज नैताम उम्र 33 वर्ष की प्रस्तुति के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोरंबीटोला निवासी गर्भवती महिला वसंता धनराज नैताम उम्र 33 वर्ष को की दूसरी प्रस्तुति के लिए 3 दिसंबर की सुबह 6:00 बजे के दौरान कोरंभी टोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दाखिल कराया गया था। लेकिन सुबह 6:00 से शाम 4:00 तक कोई भी वैद्यकीय अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया तथा अनदेखी की जिससे महिला की स्थिति बिगड़ती जा रही थी। पत्नी की स्थिति बिगड़ने पर पति धनराज द्वारा कर्मचारियों से पूछताछ किए जाने पर परिचारिका सोनाली राऊत वह एक नर्स ने जानकारी दी कि बच्चे ने गर्भाशय में संडास किया है जिससे उसकी गर्भवती महिला की स्थिति बिगड़

रही है तथा उसे आगे के उपचार के लिए ग्रामीण चिकित्सालय अर्जुनी मोरगांव ले जाने की सूचना दी। जिस पर करीब 5:00 बजे के दौरान गर्भवती महिला को अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में दाखिल करवाया गया लेकिन शाम 7:00 बजे तक वहां पर भी उपचार नहीं हुआ तथा उसे आगे के उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। जिसे गोंदिया लाते समय गोरेगांव के समीप महिला की मौत हो गई इस मामले में मृतक महिला के परिजनों व ग्रामीणों द्वारा वैद्यकीयअधिकारी डॉक्टर दिनेश बारसागडे को जिम्मेदार मानते हुए उसके तत्काल निलंबन कर सदोष मनुष्य वध का मामला दर्ज करने की मांग कर मृतक महिला के शव को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में रखकर आंदोलन किया। इस गंभीर मामले को देखते हुए डॉक्टर दिनेश बारसागडे को वहां से तत्काल हटाया गया। इस दौरान ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस द्वारा परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी तथा सुबह 8:00 बजे से पंचायत समिति सभापति सविता कोडापे ,जीप सदस्य जयश्री देशमुख, पंचायत समिति सदस्य नाजूक कुमरे ,भाग्यश्री सयाम भी घटनास्थल पर पहुंच कर दोषी स्वास्थ्य कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। 4 दिसंबर की शाम मृतक महिला का अंतिम संस्कार किया गया इसके पूर्व उसकी एक 3 वर्ष की बेटी व पति है।

रात में CEO पहुंचे ग्रामीण अस्पताल, अधिकारी-कर्मचारियों में मचा हडकंप

गोंदिया-जिप सीईओ मुरुगानंथम ने 3 दिसंबर को रात 8.30 बजे अचानक ग्रामीण अस्पताल अर्जुनी मोरगांव का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा ग्रामीण अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए. रात में सीईओ के अचानक दौरे से संबंधित कर्मचारियों में हड़कंप मच गया. अर्जुनी मोरगांव का ग्रामीण अस्पताल इस तहसील में गरीब मरीजों के लिए सबसे बड़ा अस्पताल माना जाता है. क्योंकि यहां सारा इलाज मुफ्त किया जाता है, इसलिए इस अस्पताल में ओपीडी बहुत होती है. इस अस्पताल में ज्यादातर मरीजों को गोंदिया, भंडारा, ब्रम्हपुरी रेफर किया जाता है.

इसी बीच जिप सीईओ मुरुगानंथम ने रात में औचक निरीक्षण किया और अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों के बारे में गहनता से पूछताछ की. साथ ही पूरे अस्पताल का निरीक्षण कर अस्पताल में उत्पन्न हो रही असुविधाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित चिकित्सा अधिकारी व कर्मचारियों को इस बात का ध्यान रखने को कहा कि किसी भी मरीज को असुविधा न हो. उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए. इस दौरान ग्रामीण अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डा. गाईन, डा. कापगते व अन्य कर्मचारियों ने पूरी जानकारी दी. इस अवसर पर जिप सदस्य लायकराम भेंडारकर, पंस सदस्य संदीप कापगते मुख्य रूप से उपस्थित थे. उपजिला अस्पताल कब शुरू होगा ? पूर्व विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे के प्रयासों से अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण अस्पताल को उपजिला अस्पताल का दर्जा मिला है. अब उपजिला अस्पताल को शुरू कराने की जिम्मेदारी नवनिर्वाचित विधायक इंजी. राजकुमार बडोले पर आ गई है. इसलिए विधायक बडोले ने तत्काल उपाययोजना कर उपजिला अस्पताल को शुरू करने के काम को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए, ऐसी मांग नागरिकों ने की है.

संपादकिय...

सरकार की डीप पॉकेट

वाहनों की तादाद में भागती आर्थिकी से सरकार की आय का निस्सारण सीधे जुड़ा है। इसके साथ विकास और सुविधाओं के कई आगाज नत्थी हैं, इसलिए जैसे ही हिमाचल में हर वाहन ग्रीन टैक्स का भुगतान करेगा, राज्य की आय के स्रोत, नई जिम्मेदारियों का भुगतान कर पाएंगे। वैसे हर वाहन प्रत्यक्ष और परोक्ष में अपने पंजीकरण की मुबारकों में पहले से कुछ कर अदा कर रहा है, लेकिन ग्रीन टैक्स की वजह से राज्य की आय का साधन बढ़ जाएगा। विडंबना यह कि बहुत देर बाद यह विचार आया कि कर चक्र को बढ़ाया जाए। जाहिर है सुक्खू सरकार ने ग्रीन टैक्स की परिपाटी में कई मंत्र फूंके हैं और इससे समृद्ध होते हिमाचली अपनी बदलती जीवन शैली के लिए सरकार के खीसे में भी अंशदान कर देंगे। सरकार को आय बढ़ाने के लिए डीप पॉकेट बनानी पड़ेगी और यह वर्तमान सत्ता की कोशिशों से प्रकट हो रहा है। हिमाचल की आर्थिक वकालत यूं तो केंद्र सरकार के रहमोकर्म पर रही या पर्वतीय राज्यों को मिलने वाली प्राथमिकताओं की वजह से यह प्रदेश तरक्की के हर पहलू में आगे बढ़ता रहा, लेकिन अब परिस्थितियां न मुफ्त की रोटी खाने दे रहीं और न ही उधार की अंगीठी ज्यादा देर सेंक पाएंगे। अगले कुछ वर्षों में जब उधार की वर्तमान दर एक लाख करोड़ से ऊपर पहुंचा देगी, तो हाथ फैलाना भी मुमकिन नहीं होगा, इसलिए कोरा कागज बनने से पहले यह आवश्यक है कि हर नागरिक अपनी ओर से बढ़ती आमदनी का एक हिस्सा राज्य की आत्मनिर्भरता के लिए अर्पित कर दे। बुरे दौर की गलत आर्थिक व्यवस्था ने भले ही सियासत को चमका दिया या जनता के साथ ठगी करने का रास्ता आसान कर दिया, लेकिन अब इसकी दुरुस्ती में तर्कपूर्ण, व्यावहारिक व आवश्यक फैसले लेने ही पड़ेंगे। राजनीति भले ही गारंटियों पर होती रहे या तेरी कमीज से मेरी कमीज साफ घोषित करती रहे, लेकिन नागरिक समाज को राज्य की सही पैरवी में कर की प्रधानता को चुनना पड़ेगा। कहने को हम कर मुक्त बजट की औलाद बनकर मुफ्त की बिजली और मुफ्त का पानी पीना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि जो युवा बाहर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें वहां बिजली-पानी की कीमत अदा करते ही कितना पसीना बहाना पड़ता है।बहरहाल मुफ्त बिजली के यूनिट घटाने, उन्हें तर्कशील बनाने तथा महिला यात्रियों की सरकारी बसों में मुफ्तखोरी घटाने के लिए सुक्खू सरकार ने प्रयत्न करने के बाद वाहनों के पंजीकरण पर ग्रीन टैक्स की बुनियाद रख दी है। पाठकों को याद होगा कि हमने पंजीकरण के साथ बार-बार एकमुश्त पार्किंग फीस का सुझाव कमोबेश इसीलिए दिया था ताकि इस आय से कई समाधान सुनिश्चित किए जाएं। मनाली व शिमला में बाहरी वाहनों के लिए ग्रीन टैक्स के कारण खासी आमदनी हो रही है और ग्रीन टैक्स अगर पंजीकृत वाहन से भी लिया जाता है तो करीब 24 लाख वाहनों से औसतन दो हजार की वसूली पर ही 420 करोड़ की आय हो जाएगी। इस धन से अगर ट्रांसपोर्ट नगर, पार्किंग सुविधाएं और हाईवे टूरिज्म सुविधाएं विकसित की जाएं, तो राज्य की अधोसंरचना एक नए मुकाम तक पहुंचेगी।

भ्रष्टाचार का दंश झेल कर संघर्षमय जीवन जीने को मजबूर

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस विशेष 09 दिसंबर 2024

भ्रष्टाचार देश के लिए एक ऐसा अभिशाप है, जो देश के विकास में बाधा डालता है और विषमता, अन्याय, अशांति, गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, कमजोर शासन प्रणाली आदि जैसी अनेक समस्याओं को बढ़ावा देता है। इससे सबसे बड़ा नुकसान गरीब तबके और काबिल लोगों को होता है, क्योंकि उन्हें बेहतर जीवनमान तक पहुंचने का अवसर नहीं मिलता, उनके हिस्से का लाभ किसी अन्य को अनुचित तरीके से चले जाता है। हम सभी भी अपने जीवन में बहुत से कामों के लिए भ्रष्टाचार का शिकार होते है या हुये है। शायद ही कोई दिन हो जब भ्रष्टाचार संबंधित खबर देखने-सुनने न मिले। प्रत्येक विभाग या क्षेत्र में कार्यरत अनेक कर्मचारियों को पता होता है की उनके यहाँ कहा पर अनुचित व्यवहार होता है, लेकिन कोई इसके खिलाफ आवाज़ नहीं उठाता, लालच या फिर डर के कारण जैसा चल रहा है, उस हिसाब से चलने देते है। भ्रष्टाचार ने असंख्य जिंदगियां बर्बाद कर दी हैं, सिफ़ारिश, राजनीतिक हस्तक्षेप, दबाव, सत्ता या पद का दुरुपयोग भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में भारत 180 देशों में से स्कोर 39 के साथ 93 वें स्थान पर है, जो 2022 में 40 स्कोर के साथ 85 वें स्थान पर था। मतलब 2023 में गिरावट दर्ज हुयी। महाराष्ट्र राज्य के नागपुर शहर में स्थित राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर भर्ती के लिए हर पद हेतु 50 से 80 लाख रुपये की रिश्वत लेने की खबर दैनिक भास्कर हिंदी समाचारपत्र ने 15 अगस्त 2024 को अपने प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित की थी। आज भी हम इस अखबार की वेबसाइट पर जाकर इस खबर को ऑनलाइन पढ़ सकते हैं, यह पहली बार नहीं है, जब राज्य में पद भर्ती के नाम पर पैसो की मांग हुयी है, ऐसी खबरें पहले भी जारी हो चुकी हैं, महाविद्यालय में पद भर्ती की इस समस्या के बारे में कई कुलपतियों और संबंधित विभागों, मंत्रियों को बताने के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। कुछ दिन पहले खबर प्रकाशित हुयी थीं कि महाराष्ट्र के संभाजी नगर में एक महिला

प्रोफेसर ने पीएचडी शोध छात्र से 5 लाख रुपये की रिश्वत तय कर पहली किस्त की रकम लेते हुए पकड़ी गयी थी। ऐसी हजारों घटनाएं होती हैं, लेकिन समाज के सामने बहुत कम आती हैं। अनेक विभागों में भ्रष्टाचार दबे पांव अपना काम करते रहता है।

भ्रष्टाचार की समस्या का अनुभव जानने के लिए उस क्षेत्र में अपना काम करवाने जब हम उम्मीदवार बन कर जाते है, तब आसानी से हमें अनुचित व्यवहार की जानकारी मिलती है। क्या करें, यदि कोई व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने जीवन का बहुमूल्य समय, पैसा और उम्र खर्च कर दें, यानी अपनी योग्यता के बावजूद नौकरी पाने के लिए उसे रिश्वत देनी पड़े? ऐसी स्थिति में गरीब का पढ़ना-लिखना तो गुनाह हो जाएगा? देश में आर्थिक असमानता की खाई अधिक गहरी हो गई है, अमीर अधिक अमीर और गरीब का संघर्ष तो खत्म ही नहीं हो रहा है। अनेक उच्च शिक्षा पदवी विभूषित काबिल बेरोजगार जीवनयापन के लिए जो बन पड़े, मजदूरी तक करके दिन काट रहे है। वैश्विक असमानता डेटाबेस के अनुसार 2014-15 और 2022-23 के बीच, धन संकेंद्रण के मामले में शीर्ष-अंत असमानता में वृद्धि हुई है। 2022-23 तक, शीर्ष 1 प्रतिशत की आय और धन शेयर (22.6त्न और 40.1त्न) अपने उच्चतम ऐतिहासिक स्तर पर है और भारत की शीर्ष 1 प्रतिशत आय हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है, यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अमेरिका से भी अधिक है।

अक्सर बोला जाता है कि अकेले इस सिस्टम से नहीं लड़ सकते, रिश्वत देने से मना करने पर हमसे ज्यादा रिश्वत देने के लिए दूसरा तैयार ही है। एक ईमानदार से सौ बेईमानों को कोई फर्क नहीं पड़ता है। बड़े-बड़े उद्योगपति हजारों करोड़ का कर्ज लेकर विदेश भाग जाते है और यहां गरीब कर्ज चुकाते हुए संघर्ष करते रहता है। बहुत बार तय कालावधि में सरकारी काम पूरे नहीं होते, सरकार बदल जाती है लेकिन काम अधूरे, सड़क बनते ही पहली बरसात में ही गड्ढे पड़ जाते है, पहली बरसात में ही सड़क पर पानी भर जाता है, तो कही पुल बनते ही ढह जाते है। दूर दराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तो समस्याएं अधिक विकराल रूप धारण कर लेती है। सरकारी अधिकारियों, निविदा या संविदा पर कार्य करने वाले कर्मचारियों की लापरवाही के वजह से बहुत बार दुर्घटनाएं होती है, बड़ी संख्या में जान-माल का नुकसान होता हैं। कानून सभी नागरिकों के लिए समान है फिर भी अमीर और बदमाश की तुलना में गरीब व ईमानदार लोग कानून से ज्यादा डरते है। चुनाव के वक्त नेताओं के वादे हमें 5 साल याद रहते हैं, लेकिन वो हमें भूल जाते है। परंतु ऐसा कहने भर से हमारी जिम्मेदारी या जिंदगी खत्म नहीं हो जाती, देश में भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने की जरुरत है। हर सरकारी कार्य में पारदर्शिता, विश्वसनीयता, जिम्मेदारी और समय की कीमत का योग्य आकलन बेहद आवश्यक है।

जितने बड़े नेता या अधिकारी बड़े पदों पर विराजमान होते है, वे जनता के प्रति उतने ही जिम्मेदार और उत्तरदायी होते है, परंतु आम इंसान की कभी हिम्मत नहीं होती कि उन्हें काम के बारे में जवाब माँगा जायें। अमेरिका का राष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद दूसरे ही दिन से आम लोगों की तरह सामान्य जीवनयापन करता है, लोग भी उनसे सामान्य व्यवहार करते हैं, परन्तु हमारे देश में एक बार बना पार्षद भी आजीवन उसी रुतबे में जीवन जीते हुए नजर आता है। हमारे देश में बड़ी संख्या में विधायक और सांसद करोड़पति है और जनकल्याण हेतु लोगों की निस्वार्थभाव से सेवा करने के लिए चुनाव में चुनकर आने के लिए पानी की तरह पैसा बहा देते हैं। हाल ही समाचारपत्र में खबर पढ़ी थी, कि अभी महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा के लिए चुनाव हुए, जिसमें उम्मीदवारों द्वारा चुनाव में किये गए खर्च और चुनाव आयोग को दिए गए खर्च ब्योरें में काफी अंतर नजर आ रहा है।

भ्रष्टाचार को मिटाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है, जागरूकता और हिम्मत से हम इस समस्या को ख़त्म कर सकते है। देश के हर राज्य में राज्य सरकार का भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग है, जिसकी हम भ्रष्टाचार संबंधित समस्या होने पर सहायता ले सकते हैं। ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते है, टोल फ्री क्रमांक पर संपर्क कर सकते है, ईमेल भेज सकते है, व्हाट्सअप नंबर पर भी जुड़ सकते है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र राज्य सरकार के भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग में शिकायत दर्ज करने के लिए 1064 टोल फ्री क्रमांक या व्हाट्सएप +91 9930997700 या ईमेल डुष्झ्2द्ब्ढद्बड्डब्द्यञ्चद्बड्डुब्दड्डुश्चश्दद्बष्द्र.द्द्रश1.द्धठ्ठ या इनकी वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत https://www.acbmaharashtra.gov.in/bribe-complaint लिंक पर क्लिक करके जागरूकता फैला सकते हैं। अपने निजी स्वार्थ के लिए दूसरे का हक छीन कर नहीं, बल्कि ईमानदारी और स्वाभिमान के साथ समाधानी जीवन जीना ही इंसानियत हैं। प्रण लीजिए कि भले ही थोड़ी तकलीफ सहेंगे, लेकिन सरकारी नीतिनियमों, कानून का पालन करेंगे और ना कभी भ्रष्टाचार करेंगे ना सहेंगे।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

इमारत निर्माण के लिए वनविभाग ने काट दिए 135 पेड़

47 सागौन के पेड़ों का भी समावेश पर्यावरण का हुआ भारी नुकसान

भंडारा-अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर वनविभाग व्दारा ही पेड़ों की कटाई की जाती है। ऐसा ही एक मामला भंडारा शहर में हालही में सामने आया है। भंडारा वनविभाग ने इमारत के नवीनीकरण के नाम पर 135 पेड़ों की चार-पांच दिन पूर्व कटाई की है। इसमें 47 सागौन के पेड़ों का भी समावेश है। इन पेड़ों की कटाई क्यूं की गई? इसके लिए वनविभाग से कितने रुपए का जुर्माना वसूल किया जाए? ऐसा सवाल उपस्थित हो रहा है। पेड़ों का जतन और संरक्षण करना वनविभाग की जिम्मेदारी है। चार महीने पूर्व ही राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में वनविभाग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। जिसके अनुसार एक पेड़ की कटाई पर 50 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया जाएगा। एक ओर पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने के लिए वनविभाग के व्दारा कड़े नियम लागू किए जा रहे हैं और वनविभाग द्वारा ही पेड़ भी काटे जा रहे हैं। भंडारा वन प्रकल्प विभागीय इमारत का निर्माण कार्य शुरू है। प्रकल्प विभाग के विभागीय प्रबंधक ने जून महीने में नप में पेड़ काटने के लिए पत्र दिया था। पत्र के अनुसार इस परिसर के पेड़ों से प्रशासकीय इमारत के नवीनीकरण के काम में

समस्या निर्माण हो रही थी। अनेक पेड़ कार्यालय की सुरक्षा दीवार एवं इमारत पर झुके हुए होने का कारण बताने पर नगर परिषद ने 4 जुलाई को 135 पेड़ों की कटाई करने के लिए मंजूरी दी। इसमें कशिया के 55 पेड़, सागौन के 47 पेड़, इसके अलावा नीम, जामून जैसे विविध कुल 135 पेड़ों का समावेश हैं। किंतु प्रत्यक्ष में जायजा लेने के पश्चात कटाई किए गए पेड़ जर्जर नहीं हुए थे या उनसे कोई समस्या भी नहीं थी। नवीनीकरण किए जानेवाले इमारत से यह पेड़ दूर है और सुरक्षा दीवार को पेड़ों से नुकसान होने पर पेड़ों की कटाई के बजाए टहनियों की कटाई का विकल्प था। ऐसा होते हुए भी वनविभाग ने पेड़ों की कटाई क्यूं की? ऐसा सवाल उपस्थित हो रहा है। कटाई किए गए पेड़ों की लकड़ियां परिसर में सभी ओर बिखरी पड़ी है। इस विषय में वर्क ऑर्डर की प्रति देने के लिए विभाग व्दारा टालमटोल किया जा रहा है। पेड़ों के कटाई की मंजूरी देने वाले नगर परिषद ने भी मंजूरी देने के पूर्व प्रत्यक्ष जायजा लेना जरूरी नहीं समझा। मैपिंग के आधुनिक मशीनें उपलब्ध होते हुए भी मशीन का उपयोग कर किस जगह पर कितने और कौन से पेड़ हैं, इसकी जानकारी संकलित करना सरल होते हुए भी नगर परिषद ने लापरवाही कर मंजूरी दी। एक ओर प्रकृति का संतुलन बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार व्दारा करोड़ों रुपए की निधि खर्च कर पौधारोपण करने समेत विविध उपायोजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर वनविभाग के व्दारा पेडो की कटाई की जा रही है।

नियमानुसार दी मंजूरी

शासकीय विभाग के व्दारा पेड़ों की कटाई की अनुमती मांगी थी। इस लिए नियम के अनुसार पेड़ों को काटने की अनुमती दी।

करणकुमार चव्हाण, मुख्याधिकारी, न. प. भंडारा

मार्ग निर्माण के लिए आम जनता उतरी सड़क पर

लोगों ने आंदोलन की दी चेतावनी तो जिप सभापति ने किया सड़क का निरीक्षण, होगी मरम्मत

अर्जुनी मोर-अर्जुनी मोरगांव तहसील में महागांव, नीलज, मोरगांव से अर्जुनी मोरगांव मार्ग तहसील के 15 से 20 गांवों को एक दूसरे से जोड़नेवाला मार्ग है। लेकिन इस मार्ग की अवस्था इस समय अत्यंत दयनीय हो गई है। सड़क से गुजरना अर्थात किसी कसरत से कम नहीं है।

इस मार्ग की मरम्मत कर नए सिरे से बनाए जाने की मांग को लेकर अब क्षेत्र की जनता सड़क पर उतर गई है। तहसील अन्याय निवारण समिति के कार्यकर्ता रेशिम कापगते ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रशासन को आंदोलन एवं अनशन की चेतावनी दी है। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभाग के साथ पत्र व्यवहार भी किया है। कापगते ने गोंदिया जिला परिषद के लोकनिर्माण सभापति संजय टेंभरे को मोबाइल पर इसकी जानकारी दी। जिसके बाद 4 दिसंबर को सुबह जिप सभापति संजय टेंभरे ने स्पॉट पर आकर सड़क का निरीक्षण किया एवं सड़क की स्थिति दयनीय होने की बात कबूली। इसके बाद उन्होंने तत्काल इस मार्ग के गड्ढे भरने के आदेश जिला परिषद के अभियंता को दिए। अगले दो-तीन माह में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से इस मार्ग का नए सिरे से निर्माणकार्य कराने का आश्वासन दिया। जिसके बाद आमरण अनशन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार महागांव, नीलज, मालकनपुर, अर्जुनी मोरगांव मार्ग अत्यंत खराब हो गया है। इस मार्ग से निजी वाहनों के साथ ही एसटी की बसें भी दिन रात दौड़तीं है। जिससे मार्ग की हालत दयनीय हो गई है। यह मार्ग जिला परिषद के लोकनिर्माण विभाग के अंतर्गत आता है। लगभग 5 वर्ष पूर्व इस मार्ग का कार्य मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से ही किया गया था। लेकिन अब जर्जर हो चुके इस मार्ग पर सफर करना अर्थात जान हथेली पर रखकर यात्रा करने जैसा हो गया है।

दो करोड़ का प्रस्ताव भेजेंगे

जिप सभापति संजय टेंभरे ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 2 करोड़ रुपए का प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजने की बात कही। जिसके बाद आक्रोशित नागरिकों ने अपना आंदोलन और अनशन वापस ले लिया। इस अवसर पर रेशिम कापगते के अलावा जिप सदस्य कविता कापगते, जयश्री देशमुख, अविनाश कापगते, अभियंता निमजे, ललित डोंगरवार, मधुकर राऊत, विश्वनाथ राऊत और परिसर के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

छात्रों को गणवेश वितरित

गोरेगांव-शहीद जाण्या तिम्या जिप विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालय के मुख्याध्यापक पी.आर. लोंढे की अध्यक्षता मैं कक्षा पहली से 8वीं तक के विद्यार्थियों को गणवेश वितरित किया गया. उल्लेखनीय है कि दिपावली के पूर्व शासन की ओर से कक्षा पहली से 8वी तक के विद्यार्थियों को गणवेश के कपड़े आपूर्ति की गई थी. शाला व्यवस्थापन समिति के माध्यम से गणवेश सिलवाकर शहीद जाण्या तिम्या जिप विद्यालय व कनिष्ठ महाविद्यालय गोरेगांव में शाला व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष आदेश

थुलकर, उपाध्यक्ष शैलेश जांभुलकर, सदस्य हरिदास चांदेवार, भाग्यश्री येडे, रीना सिंगाडे की उपस्थिति में विद्यार्थियों को गणवेश वितरित किया गया. संचालन व आभार दिनेशकुमार अंबादे ने माना. प्रस्तावना रामटेके ने रखी. इस अवसर पर गट साधन केंद्र के बहेकार, शिक्षक प्रतिनिधि आर.सी. बिरनवार, टी.पी. लोणारे, अनमोल ऊके, अगडे, जाधव आदि उपस्थित थे.

बस स्थानक परिसर में जर्जर पानी की टंकी ढहने की कगार पर

सालेकसा-नगर पंचायत क्षेत्र के आमगांव खुर्द बस स्थानक परिसर में जीर्ण अवस्था में अनुपयोगी पानी की टंकी है। इस पानी की टंकी से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। जिसे तत्काल गिराने की मांग ग्रामीणों ने करते हुए नगर पंचायत को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि उक्त जीर्ण हो चुकी पानी की टंकी दुर्घटना को न्योता दे रही हैं। ग्राम पंचायत काल में 25 से 30 वर्ष पूर्व इसका निर्माण किया गया था। जो अब जीर्ण अवस्था में है। इस क्षेत्र में पंचायत समिति के लोक निर्माण विभाग का कार्यालय, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, बस स्थानक परिसर होकर बड़ी संख्या में नागरिक आवागमन करते हैं। नगर पंचायत सालेकसा द्वारा इस विषय को गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द पानी की टंकी को गिराया जाए। ताकि होनेवाली दुर्घटना से बचा जा सकें। ऐसी मांग नागरिकों ने करते हुए नपं के लेखापाल अतुल राठौड़ को ज्ञापन सौंपा है। इस अवसर पर पूर्व ग्रापं सदस्य ब्रजभूषण बैस, सुनील असाटी, मायकल मेश्राम, आशीष पटले आदि उपस्थित थे।

ईवीएम के विरोध में वंचित की हस्ताक्षर मुहिम

साकोली -वंचित बहुजन आघाड़ी व्दारा पूरे राज्य में ईवीएम के विरोध में जनआंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। जिले में मंगलवार 3 दिसंबर से हस्ताक्षर मुहिम शुरू की है। मुहिम 16 दिसंबर तक चलेगी। 1 दिसंबर को पुणे में हुई राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार जिले में इस मुहिम को चलाया जा रहा है। ऐसी जानकारी वंचित बहुजन आघाड़ी के जिलाध्यक्ष डी. जी. रंगारी ने दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. बालासाहेब आंबेडकर के निर्देश अनुसार ईवीएम के विरोध में आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है।

रावनवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा शिविर

गोंदिया-परिवार नियोजन कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने तथा इस कार्यक्रम में पुरुषों का सहभाग बढ़ाने के लिए जिले में हर साल पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा पखवाड़ा चलाया जाता है. अभियान के दौरान जिले में भव्य पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा शिविर का आयोजन कर लोगों को मुफ्त सेवा देते हुए व्यापक प्रसिद्धि की जा रही है. इसके अंतर्गत रावनवाड़ी में पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा शिविर संपन्न हुआ. इसमें 15 पुरुषों की नसबंदी शल्यचिकित्सा की गई. सुखी संसार के लिए संतान की संख्या कम से कम रहना जरूरी है. राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम अंतर्गत स्त्री व पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा शिविर का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य सेवा देना यह केंद्र व राज्य सरकार का महत्वकांक्षी कार्यक्रम है. बढ़ती जनसंख्या व उससे उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी को नियंत्रण में लाने के लिए परिवार नियोजन यही एकमेव विकल्प है. यह बात जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार वाघमारे ने कही. राष्ट्रीय परिवार कार्यक्रम के तहत पुरुष नसबंदी शल्यचिकित्सा पखवाड़ा को लेकर 29 नवंबर को रावनवाड़ी स्वास्थ्य केंद्र में शिविर का आयोजन किया गया था. इसमें 15 पुरुषों की नसबंदी शल्यचिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न हुई. सर्जन डॉ. अभय पाटिल ने शल्यचिकित्सा की. शिविर के लिए चिकित्सा अधिकारी डॉ. निरंजन अग्रवाल, डॉ. पायल रहांगडाले, डॉ. नंदिनी रामटेककर, रावनवाड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मचारी और आशा वर्कर ने परिश्रम किया.

6 से 59 माह के प्रत्येक 10 बच्चों में एनीमिया

कृमिनाशक गोलियों का वितरण शुरू, चार तहसीलों के 1 से 19 वर्ष के बच्चों को दी जाएंगी

गोंदिया-जिले की आमगांव, सालेकसा,देवरी एवं सड़क अर्जुनी तहसील के 1 से 19 वर्ष आयु समूह के बच्चों को कृमिनाशक गोलियों का वितरण किया जाना है। इसके लिए प्रशासन की ओर से 4 दिसंबर से अभियान शुरू किया गया है। अभियान की शुरुआत सालेकसा तहसील के झालिया स्थित प्राथमिक आदर्श पाठशाला से हुई है। जिप एवं स्वास्थ्य समिति सदस्य छाया नागपुरे एवं जिला संक्रामक रोग अधिकारी डॉ. निरंजन अग्रवाल के हाथों शाला के बच्चों को कृमिनाशक गोलियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य पर्यवेक्षक मिलिंद नंदागवली, स्वास्थ्य सहायक रविंद्र श्रीवास, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा सेविका, आंगनवाड़ी सेविका उपस्थित थीं। अभियान के उद्घाटन समारोह में नागपुरे ने कहा कि इस समय भारत में 1 से 19 वर्ष के 68 प्रतिशत बच्चों में कृमिरोग है और 6 से 59 माह के प्रत्येक 10 बच्चों में एनीमिया पाया जाता है। इसी तरह 15 से 19 वर्ष की 56 प्रतिशत किशोरियों और 30 प्रतिशत किशोर में एनीमिया की शिकायत है। कृमि एनीमिया और कुपोषण का कारण होते हैं और इससे बच्चों का बौद्धिक और शारीरिक विकास रुक जाता है। कृमि संक्रमण वाले बच्चे हमेशा कमजोर और थके हुए रहते हैं और कृमि बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। साथ ही बच्चों में एनीमिया, पेट दर्द, उल्टी, दस्त और मतली, भूख न लगना, कुपोषण, थकान और बेचैनी, शौच के दौरान रक्तस्त्राव, पेट में सूजन जैसे विभिन्न लक्षण पाए जाते हैं। कृमि को फैलने से रोकने के लिए खाने से पहले हाथ धोएं, खाने से पहले सब्जियों और फलों को अच्छी तरह धोएं, साफ और उबला हुआ पानी पिएं, पैरों में जूते / चप्पल पहनें, नाखून नियमित रूप से काटें और उन्हें साफ रखें, शौचालय का उपयोग करें, खुले में शौच न करें, शौचालय क्षेत्र साफ-सुथरा रखें।

बघोली में बजरंग दल की नई शाखा

गोंदिया-विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल गोंदिया ग्रामीण प्रखंड के ग्राम बघोली में बजरंग दल की नई शाखा का उद्घाटन व फलक अनावरण किया गया. बजरंग दल द्वारा देश धर्म के लिए होने वाले कार्यों के बारे में बताकर देश की एकता-अखंडता को बनाए रखने के लिए गांव के सभी युवाओं ने संकल्प लेकर बजरंग दल में प्रवेश किया. इस दौरान बजरंग दल गोंदिया जिला सत्संग प्रमुख महेंद्र देशमुख, बजरंग दल गोंदिया ग्रामीण प्रखंड संयोजक सुभाष गायधने, प्रखंड मंत्री अनिल तिवारी, शाखा संयोजक आकाश महारवाड़े, गौरक्षा प्रमुख संजय आसोले, बजरंग दल कार्यकर्ता राहुल दुबे, नवनियुक्त शाखा संयोजक विजय बिसेन, विहिंप अध्यक्ष विशाल पटले व समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

कार्तिक बने भारतीय सेना में सब लेफ्टिनेंट

भंडारा-भारतीय सेना में अधिकारी बनने का सपना बहुत से लोगों का होता है, लेकिन इसके लिए जो मेहनत और तैयारी चाहिए, वह हर किसी में नहीं होती. आज यवतमाल के कार्तिक बाजारे ने अपनी मेहनत और जिद के बल पर भारतीय सेना में नौसेना के सब-लेफ्टिनेंट पद पर अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा किया. जिले के शाहापुर के डिफेंस सर्विसेज एकादमी में कार्तिक ने एनडीए परीक्षा की तैयारी की. कक्षा 12वीं के बाद इंजीनियरिंग करते हुए उन्होंने एनडीए की तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया और भारतीय नौसेना की एसएससी टेक परीक्षा के तहत डिफेंस ऑफिसर बनने का निर्णय लिया. 2023 में एसएससी इंडियन नेवी एंट्री के माध्यम से उनका एसएसबी इंटरव्यू लिया गया, जिसे पास करने के बाद वे केरल के भारतीय सरकार की इंडियन नेवल एकादमी, एझिमला में 18 महीने का कठिन प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए गए. बीते दिनों दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ और वे भारतीय नौसेना में सब-लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हुए. समारोह में पासिंग आउट परेड के दौरान कार्तिक बाजारे को अधिकारी बने हुए देखने के लिए उनके माता-पिता और डिफेंस सर्विसेज एकादमी शाहापुर के प्रद्युम्न चौगुले उपस्थित थे. कार्तिक बाजारे का सपना पूरा होते देख उनके माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू थे. कड़ी मेहनत और संघर्ष करके एक सामान्य परिवार से आने वाले इस विद्यार्थी ने डिफेंस में अधिकारी बनकर कई छात्रों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है.

आंगनवाडी कार्यकर्ता, सेतु केंद्र, ग्रामसेवक और आशा सेविकाओं को नहीं मिला मानधन

गोंदिया-लाडली बहन योजना का लाभ दिलाने के लिए आंगनवाड़ी सेविकाओं की मदद ली गई। जिसमें लाडली बहन का फायदा भी मिल रहा है। हालांकि, उस काम के लिए दिया जाने वाला मानधन अब तक आंगनवाडी कार्यकर्ता, सेतु केंद्र, ग्रामसेवक और आशा सेविकाओं को नहीं मिला है। राज्य सरकार ने लाडली बहन योजना शुरू की। इसके लिए जिले की लाखों बहनों ने आवेदन जमा किये थे। इस योजना के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया गया। इसके बदले में उन्हें प्रति लाभार्थी 50 रुपये प्रोत्साहन भत्ता दिया जाना था। लेकिन लाडली बहनो के खाते में 7 हजार 500 रुपये जमा होने के बावजूद आंगनवाड़ी सेविकाओं को एक भी रुपया नहीं मिला है। इससे जिले की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में रोष व्यक्त किया जा रहा है। इस संदर्भ में प्रशासन को आवेदन के साथ ही विनंती भी की गई है। गौरतलब है कि आंगनवाड़ी सेविकाओं ने गांवों में आंगनवाड़ियों का प्रबंधन किया और ऑनलाइन आवेदन भरे। हालाँकि, इस कार्य में दिए गए मोबाइल नेटवर्क की कम स्पीड के कारण ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने में बाधाए आईं। लेकिन उन्होंने सभी कार्य पूरा करने के बाद आवेदन पत्र भरा। उन्होंने उन नियमित गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संत लहरी बाबा का जयंती समारोह 11 से

गोंदिया - पूज्य संत श्री जयरामदास उर्फ संत श्री लहरी बाबा का 102वां जयंती समारोह का आयोजन 11 दिसंबर से किया जा रहा है. जयंती समारोह 17 दिसंबर तक चलने वाला है. मध्यकाशी (कामठा) के संत श्री लहरी बाबा आश्रम संस्थान में इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. संस्थान के पीठाधीश पूज्य संत डॉ. खिलेश्वर उर्फ तुकड्या बाबा और अध्यक्ष पूज्य गोपाल बाबा सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे. गोंदिया, भंडारा, बालाघाट, चंद्रपुर और गढ़चिरोली जिले की संयुक्त अंतरजिला भजन प्रतियोगिता 11 और 12 दिसंबर को आयोजित की जाएगी. सप्ताह भर चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत लहरी प्रार्थना, संत साहित्य कथा, दिंडी, प्रभातफेरी, रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर, गांव में सफाई अभियान, श्री लहरी सच्चरित मानस का पाठ, महामृत्युंजय यज्ञ, छात्रों के लिए वाद-विवाद और रंगोली प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों से होगी. प्रख्यात कीर्तनकार नानिकराम टेंबरे द्वारा कीर्तन, तुलसी गोपालकाला तथा महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. नवनिर्मित लहरी ब्रह्मा साक्षरता मंदिर का उद्घाटन भी इस अवसर पर किया जाएगा. सांसद डॉ. प्रशांत पडोले, विधायक विनोद अग्रवाल (गोंदिया), बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, सरपंच रेखा जगने, जिलाधिकारी प्रजीत नायर, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, राजेंद्र जैन, हीना कावरे, एड. संजय धोटे, सहायक धर्मार्थ आयुक्त दिशा पजई, हिंदू महासभा अध्यक्ष मुकेशनाथ महाराज (वर्धा), तिरखेड़ी आश्रम के संत ज्ञानीदासजी महाराज, भारतीय रिजर्व बटालियन के कमांडेंट अमोल गायकवाड़, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष उषा मेंढे, विजय बहेकार, डॉ. नोविल ब्राह्मणकर, डॉ. प्रमेश गायधने, डॉ. पंकज कारेमोरे आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहेंगे. समूचे विदर्भ, मराठवाड़ा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और अन्य स्थानों से लाखों की संख्या में भक्तों के जन्मोत्सव में शामिल होने की उम्मीद है. संस्थान के गोविंद बारापात्रे, दिनकर भुसारी, रुस्तम लिल्हारे, विजय खोके, ओम म्हशाखेत्री, सुभाष राजापुरे, संजय धोटे, डॉ. अरुण कुथे, डॉ. मंगेश भालोटिया, रामकृष्ण वाघाड़े, लीला लिल्हारे, जैमिनी धावड़े, सुनील कुरमभट्टी, गुणवंत जाधव, भारती कुरमभट्टी, अविनाश चौधरी, डॉ. संजय दानव, नरेंद्र तपासे, अरुण मते, डॉ. रामेश्वर माने, दीपक कुंदनानी, तुषार सिन्हा, बबलू श्रीवास्तव, वैशाली वैरागड़े, मंदा गोन्नाड़े, अपूर्वा गौरखेड़े, सोनाली कुरमभट्टी, लहरी युवा मंच के सदस्यों के साथ-साथ संस्थान के सचिव गोविंद मेश्राम, कोषाध्यक्ष गोपाल मते, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य संजय तराल, विजय सातपुड़े, नंदकिशोर सहारे, एड. अनिल ठाकरे आदि आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं.

ओबीसी छात्रावास कर्मियों को 6 माह से वेतन नहीं

भंडारा-जिले के ओबीसी छात्रावासों में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले छह माह से वेतन नहीं मिला है. इससे कर्मचारियों के समक्ष परिवार के भरण-पोषण की समस्या पैदा हो गई है. उन्होंने वेतन का भुगतान तुरंत करने की गुहार लगाई है. सरकार ने अन्य पिछड़े वर्गों, विमुक्त जातियों, घुमक्कड जातियों और विशेष पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में 100 छात्रों की क्षमता वाले 72 सरकारी छात्रावासों शुरू किए है. इनमें से एक छात्रों के लिए और एक छात्राओं के लिए है. छात्रावासों को जिलावार संचालित करने का निर्णय 28 फरवरी 2023 को लिया गया. इस निर्णय के अनुसार भंडारा जिले में बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग-अलग छात्रावास प्रारंभ किए गए. इस छात्रावास के कामकाज, छात्रों की देखरेख और सुरक्षा के लिए हाउस कीपर, क्लर्क, सैनिक, सफाई कर्मचारी और सुरक्षा गार्ड नियुक्त किए गए है. कुछ कर्मचारियों की निर्या नियुक्ति मार्च से और कुछ की अगस्त से की गई थी. जो कर्मचारी कार्यरत हैं और सेवा दे रहे हैं उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है. इन कर्मचारियों की दिवाली अंधेरे में गई. छात्रावास में काम करने वाले कर्मचारियों के सामने अब आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और अपने परिवार की जीविका कैसे चलाए यह सवाल उनके समक्ष है. इनकी शिकायत है कि सरकार के पास लाड़ली बहन योजना के लिए पैसे हैं लेकिन इन कर्मचारियों के वेतन के लिए पैसे नहीं हैं.अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने बताया है कि सरकार ने इन छात्रावासों के लिए फंड उपलब्ध नहीं कराया है. धन की कमी से भौतिक सुविधाओं का अभाव है. फंड की कमी के कारण छात्रावास में काम करने वाले स्टाफ को भी वेतन नहीं मिल पा रहा है.

17 को मनाया जाएगा पेंशन डे

समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो सेवानिवृत्त शिक्षक करेंगे आंदोलन

रावणवाड़ी-महाराष्ट्र राज्य सेवानिवृत्त शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी व अधिकारी संगठन जिला शाखा गोंदिया की सभा 29 नवंबर को संगठन के जिलाध्यक्ष एल.यू. खोब्रागड़े की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर संगठन के राज्य प्रतिनिधि पी.आर. पारधी, मार्गदर्शक आर.आर. अगड़े, सचिव पी.एन. बडोले, टी.बी. भेंडारकर, पी.बी. लांजेवार प्रमुखता से उपस्थित थे। सभा में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की प्रलंबित मामलों पर विस्तृत चर्चा कर 17 दिसंबर को पेंशन डे मनाने का प्रस्ताव को मंजूर किया गया। उसी प्रकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर जिप सीईओ, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी, शिक्षाधिकारी से भेंट की गई थी। लेकिन समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया। जिसके लिए दुबारा जिप सीईओ से भेंट कर समस्याओं को हल करने की विनती की जाएगी। अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की सूचना देकर अनशन का प्रस्ताव पारित किया गया। उसी प्रकार अक्टूबर व नवंबर माह का जमा खर्च मंजूर करने, तहसील कार्यकारिणी द्वारा आजीवन सभासद पंजीयन करने, तहसील कार्यकारिणी द्वारा जमा खर्च रजिस्टर तैयार कर बैंक खाता खोलने, अर्जुनी मोरगांव के सेवानिवृत्त शिक्षकों की एकस्तर वेतन श्रेणी के प्रकरण हल करने, सातवे वेतन आयोग की पांचवी किश्त देने आदि विषयों पर चर्चा की गई। सभा में जे. बी. करहाडे, एस.बी. आष्टीकर, एल.आर बोरकर, एम. के नाकाडे, आर.आर चांदेवार, वाय.टी येरणे, नलिनी भेंडारकर, पी.टी पटले, डी.एन गोलीवार, डी.एम दखने, पी.एल पारधी, ए.डी बडगे, एम.एल चौरे, मनूताई उके, रेखा बोरकर, फुलेश्वरी नांदणे, रेखा मासुरकर, जी.सी बघेले, डब्ल्यू. एस घोषे, विजयलता पोहरकर, गीता दोनोडे, एच.एन परशुराम डब्लू. डी माहुरे व गेंदुताई रंगारी उपस्थित थे।

अब तहसील स्तर पर लगेंगे लर्निंग लाइसेंस शिविर

उन्हीं अभ्यार्थियों के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे, जिन्होंने ऑनलाइन आवेदन भरे हैं।

गोंदिया-आरटीओ की ओर से कोरोना काल तहसील से स्तर पर लगाए जाने वाले लर्निंग लाइसेंस शिविर बंद कर दिए गए थे। जिसके कारण लर्निंग लाइसेंस बनाने वालों को जिला मुख्यालय में आकर लाइसेंस बनवाना पड़ता था। लेकिन अब आरटीओ गोंदिया ने फिर से तहसील स्तर पर लर्निंग लाइसेंस शिविर शुरू करने का निर्णय लिया है। यह शिविर माह के पहले और तीसरे शनिवार को लगाए जाएंगे। तो कुछ तहसीलों में दुसरे व चौथे शनिवार को शिविरों का आयोजन किया जाएगा। अर्जुनी मोरगांव तहसील में यह शिविर हर माह के पहले और तीसरे शनिवार को नवेगांवबांध में आयोजित किया जाएगा। जबकि सालेकसा तहसील में दूसरे और चौथे शनिवार को साखरीटोला में शिविर लगाया जाएगा। इन शिविरों में इच्छुकों को लर्निंग लासेंस दिए जाएंगे। इन शिविरों में केवल उन्ही अभ्यार्थियों के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे जिन्होने ऑनलाइन आवेदन कर शुल्क भरा होगा और इसके लिए समय मांगा होगा। तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाले शिविरों के कारण लर्निंग लाइसेंस चाहने वाले नागरिकों को गोंदिया तक आने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

आंबेडकर चौक से गोंडीटोला तक नहीं निकलेंगे भारी वाहन

गोंदिया-कुड़वा-दासगांव मार्ग प्र.जि.मा 10 पर आंबेडकर चौक कुड़वा के सामने से सीमेंट सड़क निर्माण का काम शुरू है। सड़क पर भारी वाहनों की बड़ी संख्या में आवाजाही होने से सीमेंट सड़क निर्माण करने में परेशानियां निर्माण हो रही हैं। जिससे सड़क का निर्माण पूर्ण करने के लिए 7 दिनों तक बड़े वाहनों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्ग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पुलिस विभाग ने कहा है। सड़क निर्माण स्थान का यातायात शाखा के पुलिस निरीक्षक ने निरीक्षण किया। कुड़वा-दासगांव सड़क के आंबेडकर चौक कुड़वा से गोंडीटोला गांव तक एक छोर से सीमेंट सड़क का निर्माण निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं दूसरे छोर से सड़क का निर्माण शुरू किया जाना है। इसके लिए एक छोर पर तैयार की गई सड़क से आवागमन शुरू है। लेकिन भारी वाहनों का आवागमन होने से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में सामान्य जनता एवं वाहन चालकों को परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए 29 नवंबर से 5 दिसंबर तक अर्थात 7 दिनों तक कुड़वा-दासगांव सड़क के आंबेडकर चौक से गोंडीटोला गांव तक भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारी वाहनों के लिए प्रशासन की ओर से वैकल्पिक मार्ग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिसमें गोंदिया की ओर आनेवाले भारी वाहनों के लिए दासगांव पांढराबोडी-गोंडीटोला- कुडवा गोंदिया, दासगांव पांढराबोडी-गोंडीटोला (रजवाडा हॉटेल) कटंगीकला रेलवे क्रासिंग अंगुर बगीचा-अवंती चौक तथा कुडवा-गोंडीटोला-पांढराबोडी-दासगांव की ओर जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग कुड़वा नाका अवंती चौक-अंगुर बगीचा कटंगीकला गोंडीटोला पांढराबोडी मार्ग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ऐसी जानकारी जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने दी है।

केटीएस अस्पताल में मनाया गया विश्व एड्स दिवस

गोंदिया-केटीएस जिला अस्पताल में विश्व एड्स दिवस मनाया गया. महाराष्ट्र एड्स कंट्रोल सोसायटी, जनशिक्षण संस्थान, आधार केंद्र, दृष्टि बहुउद्देशीय विकास संस्था व अन्य संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में जिला अस्पताल में विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक डॉ. तृप्ति कटरे ने की. उद्घाटन आरएमओ डॉ. अजय घोरमारे ने किया. प्रमुख अतिथि के रुप में नोडल ऑफिसर बी.डी. जायस्वाल, मेडिकल ऑफिसर अनिल आटे, एडीएचओ डॉ. वेदप्रकाश चौरागड़े, डीएचओ डॉ. वाघमारे, आईसीटीसी जिला पर्यवेक्षक संजय जेनेकर व संचालक विनायक डोंगरवार उपस्थित थे. कार्यक्रम की प्रस्तावना संजय जेनेकर ने रखी. कार्यक्रम के अध्यक्ष व अतिथियों ने एड्स दिवस पर मार्गदर्शन किया. इस दौरान एड्स निर्मूलन की शपथ ली गई. डॉ. कटरे ने एड्स जनजागृति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. एड्स जनजागृति रैली केटीएस से गोरेलाल चौक, गांधी प्रतिमा, अग्रसेन गेट से वापस केटीएस पहुंची. इस कार्यक्रम में जनशिक्षण संस्थान व समाजसेवी संस्थाओं ने हिस्सा लिया. विविध स्पर्धाओं में सफल रहे स्पर्धकों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किया गया. कार्यक्रम का संचालन समुपदेशक प्रकाश बोपचे ने किया. सफलतार्थ रवि बघेले, प्रवीण इंदुरकर, कविता हटवार, भारती धनविजय, भारत मोहवंशी, दिग्वेश ब्राह्मणकर, महेश्वरी चौहान, ललिता शरणागत, केशव मेश्राम, रीना डोंगरवार, सुरेंद्र वाडेगांवकर, वर्षा मस्के, नंदिनी गणवीर व अक्षय कुसराम ने प्रयास किए.

बस का पहिया महिला के पैर पर चढ़ा

भंडारा-बस में चढ़ते समय चालक के बस चलाने के कारण संतुलन बिगड़ने से महिला का पैर पहिया के नीचे आ गया, जिससे वह गंभीर घायल हो गई. यह घटना मंगलवार सुबह 10-15 बजे के आसपास ठाणे पेट्रोल पंप पर घटी. महिला का नाम परसोडी निवासी सुनिता महेंद्र हिंगणे (42) है. सुनिता भंडारा जाने के लिए ठाणे पेट्रोल पंप बस स्थानक से बस क्र. एम.एच.40/एन-8910 में चढ़ने का प्रयास कर रही थी. इसी दौरान चालक न्यू बाबुलखेडा जिला नागपुर निवासी प्रकाश रमेश चौधरी (48) ने बस शुरू कर दी. जिससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बस के पहिए के नीचे आ गई. बस का पिछला पहिया उनके दाहिने पैर से गुजर गया, जिसके कारण पैर फ्रैक्चर हो गया.

महिला के बैग से मंगलसूत्र चोरी

भंडारा-कार में रखे बैग में से सोने का मंगलसूत्र चोरी होने की घटना आंधलगांव थाना क्षेत्र में घटी. फरियादी कल्याण जिला ठाणे निवासी अमित मोरेश्वर जांगले (37) मलीदा में रिश्तेदारों के पास आए. इसी बीच वे किराये की कार से अपने रिश्तेदारों के साथ घूमने गए. इस दौरान चिचोली गांव में रुके और चाचा के घर गए. इस समय संदिग्ध आरोपी मलीदा निवासी अंशुल ईश्वरीपाल घोडीचोर (27) बैग में से सोने का मंगलसूत्र चुरा ले गया. इसकी शिकायत आंधलगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है.

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल के जनसेवा केंद्र में निःशुल्क साहित्य वितरण कार्यक्रम संपन्न

बुलंद गोंदिया। गोंदिया विधानसभा में लगातार अपने कामो से चर्चित रहनेवाले विधायक विनोद अग्रवाल ने एतिहासिक मतों से जीत हासिल की है. विधायक विनोद अग्रवाल निराधार का आधार के रूप में कार्य करते रहते है. इसी के फलस्वरूप वह जनता के दिल में बसते है. अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल के ओर से दिव्यांग बच्चों को 10 श्रवण यंत्र एवं 1 बैटरी ऑपरेटेड ट्राइसिकल का निःशुल्क वितरण किया गया. इसके पूर्व भी विधायक विनोद अग्रवाल के द्वारा सैकड़ो दिव्यांगबंधुओ को निशुल्क ट्रायसिकल, निशुल्क कान की मशीन, कृत्रिम हाथ पैर और अन्य प्रकार की मदद विधायक विनोद अग्रवाल के द्वारा की जाती है।

गौरतलब है की हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में आपने देखा होगा की दिव्यांगबंधु विधायक विनोद अग्रवाल के द्वारा दी गई ट्रायसिकल से चुनाव का प्रचार करते नजर भी आए और विधायक विनोद अग्रवाल को अपना विधायक नही बल्कि भाई है ऐसी भावनाए भी दिव्यांग बंधुओ के द्वारा प्रतीत की गई थी. विधायक विनोद अग्रवाल दिव्यांगबंधुओ के सेवा में सदैव जुटे रहते है और सदैव जुटे रहेंगे ऐसा विश्वास भी उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर व्यक्त किया है। इस अवसरपर पूर्व नगराध्यक्ष गोंदिया कशिश जायसवाल, सौ. सविता विनोद अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, विभाग प्रमुख विजयठोकने, विशेष शिक्षक राजकुमार गौतम, भूषण गजभिये एवं लाभार्थी उपस्थित थे।

अधिकारियों का सेवानिवृत्ति पर सत्कार

गोंदिया-गोंदिया पुलिस बल में कार्यरत पुलिस अधिकारी, हवलदार नियम के अनुसार आयु सीमा के अनुसार सेवानिवृत्त हो गए. इस दौरान सेवानिवृत्ति पर उनका सत्कार किया गया. पुलिस अधीक्षक कार्यालय कॉन्फ्रेंस हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने सेवानिवृत्त अधिकारी व अंमलदारों का सत्कार किया. गोंदिया जिले के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक शंकर हरिचंद साठवने, हवलदार गौरीशंकर दागोराव बिसेन, रामेश्वर तिलकचंद बर्वे निर्धारित आयु पर सेवानिवृत्त हुए. उन्हें विदाई देने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक सत्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, प्रभारी पुलिस उपअधीक्षक (गृह) रामेश्वर पिपरेवार, साथ ही पुलिस अधिकारी के परिवार, कार्यालय के पुलिस अधिकारी उपस्थित थे. इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को शॉल, फल, पौधा, सेवानिवृत्त प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, ग्रीटिंग कार्ड, स्मृति चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया. संचालन पुलिस उपअधीक्षक (गृह) रामेश्वर पिपरेवार ने किया.

तेंदुए के हमले से 3 साल का बच्चा घायल

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठणगांव में रविवार की शाम 7 बजे घर की छप्पर में खेल रहे तीन साल के बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर दिया. तेंदुआ बच्चे को 50 मीटर तक घसिटते हुए लेकर गया. ग्रामीणों द्वारा शोर किए जाने से तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया. जिससे बच्चे की जान बच गई. जानकारी के अनुसार गोठणगांव के वार्ड क्र. 3 निवासी दयाराम साखरे का भतीजा मृदुल नंदेश्वर (03) अपने माता- पिता के साथ मंडई के अवसर पर आया था. रविवार शाम करीब सात बजे मृदुल अपने चाचा के घर के छपरी में खेल रहा था. परिवार के लोग अपने काम में व्यस्त थे. इसी बीच तेंदुआ साखरे के घर की छप्पर में खेल रहे मृदुल के गर्दन को पकड़कर खींचकर ले गया. मृदुल की रोने की आवाज सुनते ही रंजीत साखरे दौड़ते आया. जैसे ही उसे पता चला कि तेंदुआ मृदुल को उठाकर ले जा रहा है तो वह शोर करने लगा. पड़ोसी और ग्रामीण दौड़कर आए, उन्होंने लाठियां लेकर तेंदुए को खदेड़ा, तेंदुआ मृदुल को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया. तेंदुए द्वारा मृदुल की गर्दन पकड़ने से वह घायल हो गया. मृदुल पर गोठणगांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज कर आगे के इलाज के लिए अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया. फिलहाल उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर है.

हादसे में पति- पत्नी घायल

भंडारा-गोंदिया-कोहमारा महामार्ग पर डव्वा गांव के पास हुई शिवशाही बस दुर्घटना में घायलों में मानेगाव सड़क, तहसील लाखनी के पति-पत्नी भी शामिल हैं, जो सौभाग्यवश बच गए हैं. वर्तमान में दोनों गोंदिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज करा रहे हैं. मानेगाव सड़क के रमेश गोविंदा आग्रे (46) और रोशनी रमेश आग्रे (38) दोनों गोंदिया में रिश्तेदार से मिलने जा रहे थे. लाखनी बस स्टॉप से वे शिवशाही बस में सवार हुए थे. डव्वा गांव के पास बस का भीषण हादसा हुआ. दुर्घटना में रमेश आग्रे को गंभीर चोटें आयी, लेकिन वह अब खतरे से बाहर हैं. वहीं रोशनी को सिर और कान में चोट लगी है. वर्तमान में दोनों गोंदिया के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज करवा रहे हैं.

80 लोगों ने किया रक्तदान

आमगांव-गोंदिया जिला पुलिस बल व एचडीएफसी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में तथा मुंबई शहर में हुए आतंकी हमले में शहीद पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व नागरिकों की स्मृति में पुलिस अधीक्षक गोरख भांबरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा व उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक तिरुपति राणे के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. पुलिस थाने के अधिकारी, कर्मचारी व पुलिस पटेल ने रक्तदान में हिस्सा लिया. गोंदिया जिला शिवसेना प्रमुख सुरेंद्र नायडू के आह्वान पर युवा सेना कई युवकों ने रक्तदान किया. इसी प्रकार बजरंग दल के बालाराम व्यास व भाजपा के नरेंद्र वाजपेयी के आह्वान पर कई युवकों ने रक्तदान किया. शिविर में कुल 80 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. इस दौरान पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, पुलिस पटेल, रक्तदाता व नागरिक उपस्थित थे.

लाखों रु. से बने स्वास्थ्य उपकेंद्र पर लटका ताला नहीं दिया ध्यान तो बन जाएगा खंडहर

गोबरवाही-आज से करीब 14 वर्ष पूर्व भंडारा जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग की ओर से गोबरवाही बस्ती में करीब 30-35 लाख रुपए की लागत से स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण किया था. कुछ ही दिनों तक इसमें कामकाज चलाता रहा, लेकिन अब पिछले यहां ताला लगा हुआ है जिसके कारण ग्रामवासी स्वास्थ्य सेवा से वंचित है. लाखों रुपए शासन के खर्च होने के बावजूद उप केंद्र का लाभ जनता को नहीं मिल रहा है. वास्तव में उपकेंद्र पवनारखारी जलाशय नहर के उस पार होने से वहां पहुंचने में जनता को मुश्किलें जाती है. यदि इस नहर पर सिडी वर्क छोटा पुल बना दिया जाए तो स्वास्थ्य उपकेंद्र तक पहुंचने में सुविधा हो सकती है. उपकेंद्र का कामकाज शुरू हो सकता है. यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आगामी वर्षो में यह भवन खंडहर बन जाएगा, इसलिए यह आवश्यक है कि भंडारा जिला परिषद के पदाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी इस उपकेंद्र भवन का निरीक्षण कर उचित उपाय योजना करें, ताकि इस स्वास्थ्य उपकेंद्र का लाभ गांव के आम जनता को प्राप्त हो सकें.

हादसे के बाद घटी शिवशाही बसों की रफ्तार

गोंदिया-अर्जुनी तहसील के डव्वा-खजरी के पास शिवशाही बस दुर्घटना के बाद जिले में शिवशाही बसें धीमी गति से चल रही हैं। दुर्घटनाओं और सार्वजनिक अशांति के डर से बचने के लिए महाराष्ट्र राज्य परिवहन महामंडल ने शिवशाही बस की गति नियंत्रित करने का फैसला लिया है। इससे पूरे जिले में यह चर्चा शुरू हो गयी है कि शिवशाही की रफ्तार धीमी हो गयी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि शिवशाही बस हादसे की वजह तेज रफ्तार और चालक की गलती थी। इसकी पुष्टि महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम के एक अधिकारी ने भी की। अब यह स्पष्ट हो गया है कि बस की गति तेज होने के बाद चालक ने अचानक ब्रेक मारा और चालक का बस से नियंत्रण छूट गया। इससे बस पलट गई। इस हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। कुछ शिवशाही बसों की हालत बहुत खराब है। क्योंकि, इन बसों में अतिरिक्त सामान की आपूर्ति नहीं की जाती। इसके अलावा तकनीकी कर्मचारियों के पद खाली होने के कारण इन बसों की समय पर मरम्मत नहीं हो पाती, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। जानकारी के अनुसार शिवशाही हादसे में 11 यात्रियों की मौत हो गई। इससे यात्रियों के साथ-साथ नागरिकों में भी आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे में विभाग ने शिवशाही बसें चलाते समय चालकों को स्पीड कम रखने के निर्देश दिए हैं। कई लोगों ने शिवशाह बसों को धीमी गति से चलते हुए देखा। जिले में इस बात की चर्चा है कि शिवशाही की रफ्तान अचानक धीमी कैसे हो गयी।

बसों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल -एसटी महामंडल के पास 892 शिवशाही बसें हैं। कोरोना के दौरान यात्री सेवाएं बंद होने से महामंडल की आर्थिक स्थिति खराब थी। कुछ शिवशाही बसों की हालत बहुत खराब है। क्योंकि, इन बसों में अतिरिक्त सामान की आपूर्ति नहीं की जाती है। इसके अलावा तकनीकी स्टाफ के पद खाली होने के कारण इन बसों की समय पर मरम्मत नहीं हो पाती, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

भूमि कार्यालय से अधिकारी नदारद कामकाज के लिए आने वाले नागरिक परेशान

सालेकसा-सालेकसा में भूमि अभिलेख कार्यालय के अधिकारी समय पर उपस्थित नहीं होने से अन्य कार्यो के लिए आने वाले लोग परेशान हो रहे हैं. अनेक नागरिक लगभग 20 से 25 किमी. दूर से इस कार्यालय में अनेक कार्य के लिए आते हैं, लेकिन इस कार्यालय में अधिकारी समय पर नहीं मिलते. जिससे आने वाले नागरिकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. इस कार्यालय के एक-दो कर्मचारी ही मुख्यालय पर रह रहे हैं. वहीं अनेक कर्मचारी अप-डाउन रह रहे हैं. अप- डाउन करने वाले कर्मचारी दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आते हैं और 3 से 4 बजे तक कार्यालय छोड़ देते हैं. इससे नागरिकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सरकार के आदेश के बावजूद भी सरकारी कर्मचारी मुख्यालय पर नहीं रहते हैं. भूमि अभिलेख कार्यालय के अधिकारी साकोली, लाखनी, भंडारा,गोंदिया, तिरोड़ा और आमगांव, देवरी में रहते है. कार्यालय में कर्मचारी नहीं होने से लोगों के काम नहीं होते है. सरकार ने पहले से ही पांच दिवसीय सप्ताह लागू कर दिया है, इसलिए लोगों का काम समय सीमा के भीतर नहीं हो पा रहा है. जिलाधीश व जनप्रतिनिधियों से इस ओर ध्यान देने की मांग नागरिकों ने की है.

प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करवायी आनंद मेला से हुई आय की 10 प्रतिशत राशि

तिरोडा-मेरिटोरिअस पब्लिक स्कूल सीबीएसई में आयोजित आनंद मेले में छात्राओं ने विविध स्टॉल लगाकर कमाई की एवं प्रत्यक्ष कर व अप्रत्यक्ष कर के उद्देश से प्रधानमंत्री राहत कोष में में 10 प्रतिशत नफा जमा किया गया। संस्था के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, संचालिका राणी अग्रवाल, प्राचार्य तुषार येरपुडे, स्कूल के विद्यार्थी प्रतिनिधी, शिक्षक के हस्ते आनंद मेले का उद्घाटन किया गया। इस आनंद मेला में कक्षा पांचवी से दसवीं के विद्यार्थी व विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मेले में 45 स्टॉल थे। इस स्टॉल में विद्यार्थयांयों ने खुद तैयार खाद्य पदार्थ रखकर बिक्री की गई। भारतीय संस्कृतीनुसार, विविध प्रांतनुसार खाद्य तैयार किए गए थे। मनोरंजनात्मक खेलो का भी स्टाल रखे गए थे। आनंद मेला का उद्देश विद्यार्थी स्वंय उद्योगी बने एवं आर्थिकदृष्टी से सक्षम बने यह था। इस उद्देश से विद्यार्थियों को जो आर्थिक फायदा हुआ उसे कर के माध्यम समझाते हुए प्रधानमंत्री राहत कोष में 10 प्रतिशत प्रॉफिट में हिस्सेदारी जमा की गई। विद्यार्थियों के देश प्रेम की भावना इस माध्यम से दिखी। इस अवसर पर आनंद मेले में पालक वर्ग सहभागी हुए। विविध खाद्य पदार्थ की रेलचेल एवं मनोरंजन से विद्यार्थी उत्साहित नजर आए।

झरपड़ा में तेंदुए की दहशत 15-20 दिनों से ग्रामीणों में डर का माहौल

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील के झरपड़ा में तेंदुए की दहशत है. पिछले 15 से 20 दिनों से तेंदुआ गांव के कई पालतू जानवरों का शिकार कर चुका है. जिससे पशुपालकों में चिंता व्याप्त है. इसके अलावा गांव के बाहरी इलाकों में तेंदुए घूम रहा हैं, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल है. अर्जुनी मोरगांव तहसील के झरपड़ा गांव में एक तेंदुए ने डेरा जमा लिया है. पिछले 15 दिनों से तेंदुए गांव में घुसकर चरवाहों के पालतू जानवरों का शिकार कर रहा है. तेंदुओं का मुक्त विचरण बढ़ने से गांव में दहशत पैदा हो गई है. दहशत के कारण गांव में घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है. चरवाहे अपने पशुओं को लेकर चिंतित हैं जबकि कई किसान खेत पर जाने से डर रहे हैं. ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग ध्यान देकर इस तेंदुए का बंदोबस्त करें.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।